अमेरिका

युद्ध था युद्ध के पूर्व सुदूर पूर्व की राजनीति मे भिन्न तरह अमेरिका ने हिस्सा लिया यह अमेरिका सरकार के हितों का दृश्यपटल का दिशा संकेत था और भविष्य मे सुदूर पूर्वी मामलों मे अमेरिका के बेहतर हस्तक्षेप का इशारा था। युद्ध काल मे अमेरिका सरकार और लोगों की पूर्ण सहानुभूति जापान के साथ थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि युद्ध दोनों देशों के बीच शांति एवं सुलह कायम करने का प्रयास अमेरिका राष्ट्रपति के द्वारा शुरू किया गया था। और युद्ध को समाप्त करने वाले पोर्टसमाउथ की संधि अमेरिका भूमि पर की गई थी। इस तरह पूर्वी एशिया के मामले मे अमेरिका जितना भाग ले रहा था उतना उसने यूरोपीय महादेश की मामले मे भी नहीं लिया था।

इस युद्ध मे जापान की विजय को H.M Vinacae ने Victosy of Asiatic giant oves Eusopien gaint की संज्ञा दी है। वास्तव मे इसने काफी दूरगामी और व्यापक प्रभाव छोड़े। खासकर एशियाई लोगों मे मुमुर्षु से जिजिविषा (मरने एवं जीने की स्थिति) को कायम हुई और मैकस्तर ने ठीक ही लिखा है- "it was and teoph- Mayking event for it mask a pick-me-up for Asia"

Ashish

e circles c
the place

इस तरह 1894-95 की चीन जापान युद्ध और 1904-05 की रूस-जापान युद्ध की भिन्न परिणामों के फलस्वरूप होने वाले युगान्तकारी परिणाम के आधार पर तुलना भारत के संदर्भ में 'मध्यकाल' में पानीपत की पहली लड़ाई का 1526 और खानवा की लड़ाई-1527 पुनः भारत में ही आधुनिक काल में पलासी की लड़ाई 1757 और बक्सर की लड़ाई 1764 और यूरोप के संदर्भ में जर्मनी के एकीकरण के क्रम में हुए युद्धों - 1866 का सैडोवा की लड़ाई और 1870 की सेडान की लड़ाई से की जा सकती है। और इस युद्ध के अंतर्राष्ट्रीय परिणाम और महत्व प्रभावित करते है कि 20वी शती के प्रथम दशक ना सिर्फ कूटनीति संधियों का दशक था बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व के संकटों, क्रांतियों और युद्धों का भी दशक था।

Ashish